Mahatma Gandhi National Council of Rural Education

Department of Higher Education, MHRD, GoI

Sponsored

Seven-Day

Faculty Development Program in Nai Talim, Learning and Community Engagement

Organized by

Department of Teacher Education, School of Education

Central University of Himachal Pradesh

25-31 March, 2019

Central University of Himachal Pradesh

The Central University of Himachal Pradesh is established under the Central Universities Act 2009 (No. 25 of 2009) enacted by the Indian Parliament. The University is funded and regulated by the University Grants Commission (UGC). The Headquarter of the University is in Dharamshala, which is known for its clean image, scenic climate and spiritual atmosphere around the world. The three temporary academic blocks of the university are located in Dharamsala, Dehra and Shahpur respectively. All the academic activities of the University are being conducted by the three temporary academic blocks.

Mahatma Gandhi National Council of Rural Education

Mahatma Gandhi National Council of Rural Education under the aegis Ministry of Human Resource Development, Government of India, strives to promote resilient rural India through Higher Education interventions. The council designs, develops and promotes curriculum inputs for higher education programmes offered by Universities and autonomous Institutions in India. The higher educational streams of focus for MGNCRE include: Rural Studies, Rural Development, Rural Management, Social Work and Education. The curriculum inputs are both theoretical and practical field-related relevant to rural India.

Gandhi's Philosophy of Education

"By education, I mean an all-round drawing out of the best in child and man - body, mind and spirit." M.K. Gandhi.

The above-mentioned statement of Mahatma Gandhi is sufficient enough to comprehend his views on education. Gandhian education has been characterized as encompassing the head, the heart and the hands that means the all-around development of the child. According to him, education is that which "transform village children into model villagers. It is principally designed for them. The inspiration for it has come from the villages...Basic education links the

children, whether of the cities or the villages, to all that is best and lasting in India. It develops both the body and the mind, and keeps the child rooted to the soil with a glorious vision of the future in the realization of which he or she begins to take his or her share from the very commencement of his or her career in school."

Wardha Scheme of Education

The Wardha scheme of Education, popularly known as 'Basic Education' occupies a unique place in the field of history of elementary education in India. The Wardha Education conference appointed a committee of distinguished educationists under the chairmanship of Dr Zakir Husain. The Committee consisted of nine members. Among them, Prof. K. G. Saiyidain's name is prominent. Other members were Arya Nayakam, Vinova Bhave, Kaka Kalelkar, J. C. Kumarappa, Kishori Lal and Prof. K. T. Shah. The committee was appointed to prepare a detailed education plan and syllabus. It submitted its first report in December 1937 and .another in April 1938. This report has since become the fundamental document of the 'Basic Education' and the scheme has come to be known as the Wardha Scheme of Education. It was approved by Mahatma Gandhi and was placed before the Indian National Congress at its Haripura session held in March 1938.

NaiTalim

NaiTalim was conceived as a "craft-based" education in which practical skill serves as the centre and foundation of an individual's spiritual, cultural and social development and in which skills such as literacy and mathematics are learned in context with and in service to their craft. In this approach to schooling, academic subjects are taught in an interdisciplinary way and never separated from their practical application in the world. The craft-centred approach instils the dignity of labour, the value of self-sufficiency, and strengthens local culture. Gandhi also believed that an essential part of education was the "*reverent study of all religions*" with the insight that ahimsa (nonviolence) is the basic truth contained in all of them. Nai Talim in Gandhi's conception only included free and compulsory education up to age 14.

No. of Seats: Twenty Five

Who can apply:

Teacher Educators working in University Departments, College of Education, DIET and SCERT may apply to participate in the workshop.

Medium:
Bilingual

Accommodation:
Limited accommodation facilities are available on First Come-First Serve basis.

How to reach:
The venue of this Workshop is the Dhauladhar campus of the Central University of Himachal Pradesh, Dharamsala, which is well connected by road and airways. The nearest railway station is Pathankot Cantt (90 km) andUna, Himachal Pradesh (120 km), Gaggal Airport, Dharamsala (15 km), Bus stand Kangra (15 km).

Travel Allowance:
Limited travel support will be provided to out-station candidates subject to their travel by AC-III Tier train and HRTC Him-Gaurav busses.

Weather
In March, the weather in Dharamsala is generally cool; the temperature usually ranges from 5°C to 15°C.

Coordinator
Prof. (Dr.)Manoj Kumar Saxena
drmanojksaxena@gmail.com
09805015599

Convener:
Dr. Navneet Sharma
navneetsharma29@gmail.com
08894702338

Co-convener:
Dr. Anu G.S.
anueducation@gmail.com
08894703576

महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद

उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार

प्रायोजित

सात दिवसीय

नई तालीम, अधिगम एवं सामुदायिक वचनबद्धता में शिक्षक समुन्नयन कार्यक्रम (FFDP)

द्वारा आयोजित

शिक्षक शिक्षा विभाग, शिक्षा स्कूल, हिमाचल प्रदेश केंदीय विश्वविद्यालय

25 -31 मार्च, 2019

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना भारतीय संसद द्वारा केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 (सं. 25, 2009) के अंतर्गत की गयी है | यह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्त पोषित व अधिनियमित है | विश्वविद्यालय का मुख्यालय धर्मशाला, जिला काँगड़ा में है जो कि विश्व में अपनी स्वच्छ छवि, मनोहर आबोहवा एवं आध्यात्मिक वातावरण के लिए जाना जाता है | विश्वविद्यालय के तीन अस्थाई शैक्षणिक खण्ड क्रमशः धर्मशाला, देहरा एवम् शाहपुर में स्थित है | विश्वविद्यालय की समस्त अकादमिक गतिविधियाँ तीनों अस्थायी शैक्षणिक खण्ड से संचालित की जा रही हैं |

महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के अन्तर्गत महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, ग्रामीण भारत के समुत्थान के लिए उच्च शिक्षा संस्थाओं के पाठ्यक्रम निर्माण एवं संरचना में सहायता प्रदान करता है | महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के प्रमुख शैक्षणिक कार्यों में ग्रामीण अध्ययन, ग्रामीण विकास, ग्रामीण प्रबंधन, समाज कार्य और शिक्षा केन्द्रित है | पाठ्यक्रम में निहित परामर्श ग्रामीण भारत के सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक पक्षों के अध्ययन को रेखांकित करता है |

गाँधीवादी शिक्षा दर्शन

"शिक्षा से मेरा अभिप्राय बालक और मनुष्य के शरीर, मन और आत्मा की सर्वोतम शक्तियों को बाहर निकलना है |"

\- गाँधी

उपर्युक्त कथन महात्मा गाँधी द्वारा दिए गए शैक्षिक दृष्टिकोण को दर्शाता है, जो विशेष रूप से मस्तिष्क, हृदय व हस्त कार्य को केन्द्रीभूत करता है - अर्थात् बालक के समग्र विकास को इंगित करता है | उनके अनुसार शिक्षा वह है जो बालक / मनुष्य के शारीरिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक शक्तियों को प्रेरित करे | गाँधी जी के अनुसार वही शिक्षा उचित है जो मन का शोधन करें, मष्तिस्क को अभ्यस्त बनायें, इन्द्रियों को वश में रखे, निडरता और आत्मनिर्भरता का निर्माण करें, निर्वाह का साधन बने, स्वतंत्र रूप से जीने की शक्ति तथा साहस को उजागर करें, उपयुक्त सूचना का भण्डार तथा तार्किक कौशल और भाषा शिक्षाशास्त्र का अस्तित्व प्रदान करें |

वर्धा शिक्षा योजना

वर्धा शिक्षा योजना, जो बुनियादी शिक्षा के नाम से भी लोकप्रिय है यह भारतीय प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में एक अद्वितीय स्थान रखती है | डॉ. ज़ाकिर हुसैन की अध्यक्षता में वर्धा शिक्षा कांफ्रेंस के अंतर्गत विभिन्न शिक्षाविदों की एक समिति गठित की गयी | इस समिति में नौ सदस्य थे, जिसमे प्रो. के. जी. सयद्दैन का नाम प्रमुख था | आर्य नायकम, विनोवा भावे, काका कालेलकर, जे.सी. कुमारप्पा, किशोरी लाल, के. टी. शाह तथा अन्य सदस्य थे | इस समिति को एक विस्तृत शिक्षा योजना और पाठ्यचर्या तैयार करने के लिए नियुक्त किया गया था | इसकी प्रथम रिपोर्ट दिसम्बर 1937 में तथा अन्य अप्रैल 1938 में प्रस्तुत की गयी | यह रिपोर्ट, 'बेसिक शिक्षा' का मौलिक दस्तावेज बना और यह योजना वर्धा शिक्षा योजना के नाम से जानी जाती है | इसे महात्मा गाँधी द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई तथा मार्च 1938 में आयोजित भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के हरिपुरा सत्र में प्रस्तुत तथा अनुमोदित किया गया |

नई तालीम

नई तालीम की अवधारणा शिल्प आधारित शिक्षा है जिसमें व्यक्ति का आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक विकास उसके व्यावहारिक कौशल पर आधारित है | इसमें कौशल जैसे कि साक्षरता तथा गणितीय अध्ययन इस सन्दर्भ में होते हैं जिससे व्यक्ति के शिल्प कार्य में निपुणता आए | इस उपागम में शैक्षणिक विषयों को अंतःविषय के माध्यम से इस प्रकार पढ़ाया जाता है कि संसार में उनका व्यावहारिक प्रयोग हो सके | शिल्प-केन्द्रित उपागम, श्रम के गौरव, स्वावलम्बन में मूल्य, और स्थानीय संस्कृति की शक्ति को बढ़ावा देता है | गाँधी जी का मानना था की सभी धर्मो का अध्ययन शिक्षा का एक आवश्यक अंग है, साथ ही अहिंसा एक ऐसा मौलिक सत्य है जो सभी धर्मो में अन्तर्निहित है | नई तालीम में 14 वर्ष तक के बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा के प्रावधान को शामिल किया गया है |

सीटों की संख्या – 25

आवेदक - डाइट, एससीइआरटी, शिक्षा महाविद्यालयों और विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय में कार्यरत शिक्षक इस कार्यशाला में आवेदन कर सकते है |

माध्यम - द्विभाषीय

आवास – सीमित संख्या में आवास की सुविधा उपलब्ध है जो की प्रथम आओ प्रथम पाओ के आधार पर आवंटित की जाएगी|

कैसे पहुंचे

इस कार्यशाला का आयोजन स्थल हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय का धौलाधार परिसर, धर्मशाला है जो कि सड़क और वायुमार्ग से जुड़ा है | नजदीकी रेलवे स्टेशन पठानकोट कैंट (90 कि. मी.) और ऊना, हिमाचल प्रदेश (120 कि. मी.) है | गगल हवाई अड्डा, धर्मशाला (15 कि. मी.), बस स्टैंड काँगड़ा (25 की. मी.) और धर्मशाला (3 की. मी.) है |

मौसम

मार्च माह में धर्मशाला का मौसम समान्यतः ठंडा रहता है | तापमान लगभग 5°C से 15°C के मध्य रहता है |

आवेदन की अंतिम तिथि : 20 मार्च **2019**

यात्रा भत्ता : बाह्य प्रतिभागियों को सीमित यात्राभत्ता की सहायता दी जाएगी | जिसमें एसी 3 टीयर श्रेणी ट्रेन और एचआरटीसी हिम गौरव बस के टिकट ही मान्य होंगे |

समन्वयक

प्रोफेसर मनोज कुमार सक्सेना

drmanojksaxena@gmail.com

09805015599

संयोजक

डॉ नवनीत शर्मा

navneetsharma29@gmail.com

08894702338

सह–संयोजक

डॉ अनु जी. एस.

anueducation@gmail.com

08894703576

Mahatma Gandhi National Council of Rural Education
Department of Higher Education, MHRD, GoI
Sponsored
Faculty Development Program in Nai Talim, Learning and Community Engagement
Organized by
Department of Teacher Education, School of Education
Central University of Himachal Pradesh
25-31 March, 2019

Recent passport size photograph

NOMINATION FORM

Name of the Faculty (in BLOCK letters**):** Ms./Mrs./Mr./Dr _____

_____

Gender: _____

Designation: _____

Affiliating University/College/Institute: _____

Address for correspondence: _____

_____

Postal code: _____

State: _____

Accommodation Required: **Yes/ No** _____

Recommendation from the nominating authority*:

Ms. /Mrs. / Mr. /Dr. _____(designation)_____

_____ is hereby nominated to undergo the Faculty Development Program organized by Department of Teacher Education, School of Education, Central University of Himachal Pradesh. She/he is relieved from duties from the University/College/Institute for the period from March 25 to March 31, 2019 to enable her/his full time participation in the said Faculty Development Program**.**

Signature with seal
Full Name:

***The nominating authority is Registrar/Hod for Universities, Principal for colleges and statutory authority for other Institution.**

महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद

उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार

प्रायोजित

सात दिवसीय

नई तालीम, अधिगम एवं सामुदायिक वचनबद्धता में शिक्षक समुन्नयन कार्यक्रम (FFDP)

द्वारा आयोजित

शिक्षक शिक्षा विभाग, शिक्षा स्कूल, हिमाचल प्रदेश केंदीय विश्वविद्यालय

25 मार्च से 31 मार्च, 2019

पासपोर्ट
साइज
फोटो

नामांकन पत्र

शिक्षक का नाम: .....

लिंग: .....

पदनाम: .....

विभाग/केन्द्र: .....

संबंद्धित विश्वविद्यालय/महाविद्यालय/संस्थान: .....

पत्राचार के लिए पता: .....

.....

.....

पिन कोड: .....

राज्य: .....

आवासीय सुविधा: हाँ/नहीं.....

नामांकन प्राधिकारी द्वारा संस्तुति*

सुश्री/श्रीमती/श्रीमान्/डॉ.....पदनाम.....

..... को शिक्षक समुन्नयन कार्यक्रम (FDP) में सम्मिलित होने के लिए नामांकित किया जाता है, जो कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अंतर्गत शिक्षक शिक्षा विभाग, शिक्षा स्कूल, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, द्वारा आयोजित की गई है | इन्हें संबंधित विश्वविद्यालय/महाविदयालय/संस्थान से 25 मार्च से 31 मार्च 2019 तक कार्य निवृत किया जाता है ताकि वह पूर्णकालिक रूप से शिक्षक समुन्नयन कार्यक्रम में भाग ले सकें |

हस्ताक्षर/मोहर

नाम: .....

*विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार/विभागाध्यक्ष, महाविद्यालय के प्राचार्य और अन्य संस्थानों के सांविधिक अधिकारी ही नामांकन प्राधिकारी हैं |